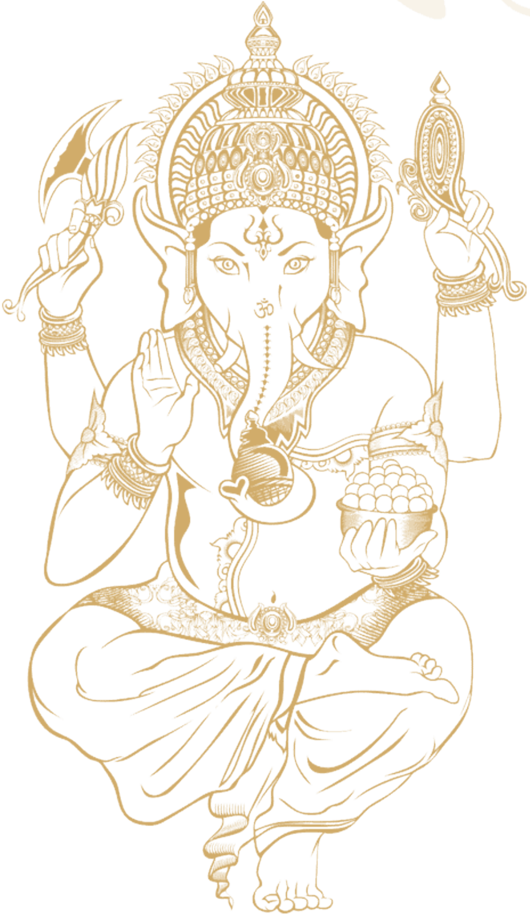

Mr.prem lalit sweet Heart

30 Oct 1985

08:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119153802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/1985**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	03:40:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:21 घंटे
साम्पातिक काल	10:12:18 घंटे
सूर्योदय	06:31:47 घंटे
सूर्यास्त	17:37:39 घंटे
दिनमान	11:05:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:57:26 तुला
लग्न के अंश	00:58:41 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:58:41	306:46:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			तुला	12:57:26	00:59:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मेष	27:45:07	11:47:24	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	07:53:30	00:37:36	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	04:17:17	01:18:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु			मक	14:37:32	00:05:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	23:11:44	01:14:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शनि			वृश्चि	04:14:44	00:06:49	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	15:29:42	00:03:11	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	15:29:42	00:03:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	22:10:14	00:03:02	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
नेप			धनु	07:48:10	00:01:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	11:06:13	00:02:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	07:22:30	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:20

लग्न-चलित

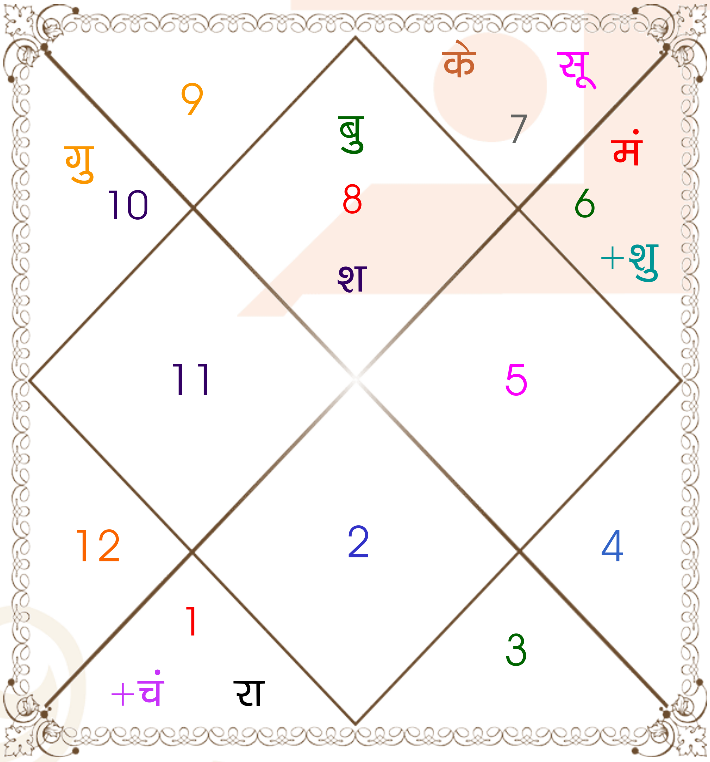

चन्द्र कुंडली

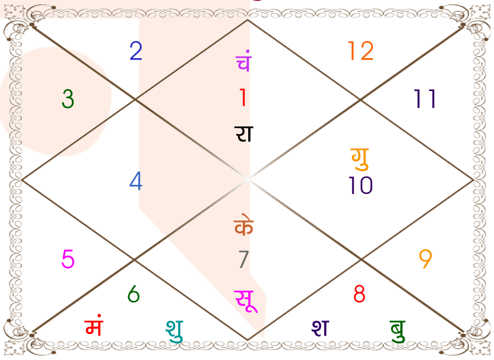

नवमांश कुंडली

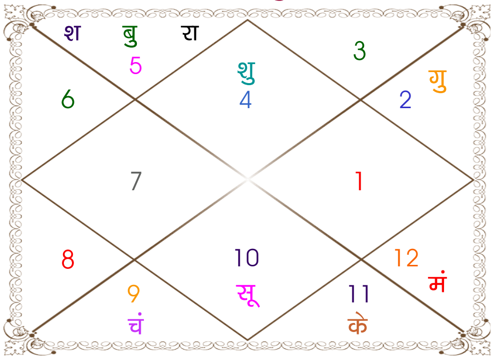

Krishna Astrosagy an Resarche center
5 Shanti Niketan colony Bedla badgaon likn Road

9571652706 9414829758
Jbhupendra@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
30/10/1985	**05/05/1991**	**04/05/2001**	**04/05/2008**	**05/05/2026**
05/05/1991	**04/05/2001**	**04/05/2008**	**05/05/2026**	**05/05/2042**
30/10/1985	चंद्र 04/03/1992	मंगल 01/10/2001	राहु 15/01/2011	गुरु 22/06/2028
चंद्र 21/02/1986	मंगल 03/10/1992	राहु 19/10/2002	गुरु 10/06/2013	शनि 03/01/2031
मंगल 29/06/1986	राहु 04/04/1994	गुरु 25/09/2003	शनि 16/04/2016	बुध 10/04/2033
राहु 23/05/1987	गुरु 04/08/1995	शनि 03/11/2004	बुध 03/11/2018	केतु 17/03/2034
गुरु 10/03/1988	शनि 05/03/1997	बुध 31/10/2005	केतु 22/11/2019	शुक्र 15/11/2036
शनि 20/02/1989	बुध 04/08/1998	केतु 29/03/2006	शुक्र 22/11/2022	सूर्य 03/09/2037
बुध 28/12/1989	केतु 05/03/1999	शुक्र 29/05/2007	सूर्य 16/10/2023	चंद्र 03/01/2039
केतु 05/05/1990	शुक्र 03/11/2000	सूर्य 04/10/2007	चंद्र 16/04/2025	मंगल 10/12/2039
शुक्र 05/05/1991	सूर्य 04/05/2001	चंद्र 04/05/2008	मंगल 05/05/2026	राहु 05/05/2042

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
05/05/2042	**04/05/2061**	**05/05/2078**	**04/05/2085**	**05/05/2105**
04/05/2061	**05/05/2078**	**04/05/2085**	**05/05/2105**	**00/00/0000**
शनि 08/05/2045	बुध 01/10/2063	केतु 01/10/2078	शुक्र 03/09/2088	सूर्य 23/08/2105
बुध 16/01/2048	केतु 27/09/2064	शुक्र 01/12/2079	सूर्य 03/09/2089	चंद्र 31/10/2105
केतु 23/02/2049	शुक्र 29/07/2067	सूर्य 07/04/2080	चंद्र 05/05/2091	00/00/0000
शुक्र 25/04/2052	सूर्य 04/06/2068	चंद्र 06/11/2080	मंगल 04/07/2092	00/00/0000
सूर्य 07/04/2053	चंद्र 03/11/2069	मंगल 04/04/2081	राहु 05/07/2095	00/00/0000
चंद्र 06/11/2054	मंगल 31/10/2070	राहु 23/04/2082	गुरु 05/03/2098	00/00/0000
मंगल 16/12/2055	राहु 20/05/2073	गुरु 29/03/2083	शनि 05/05/2101	00/00/0000
राहु 22/10/2058	गुरु 26/08/2075	शनि 07/05/2084	बुध 05/03/2104	00/00/0000
गुरु 04/05/2061	शनि 05/05/2078	बुध 04/05/2085	केतु 05/05/2105	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।